अस्मिन् प्रश्नपत्रे **51** प्रश्नाः एवम् **16** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति ।
इस प्रश्न-पत्र में **51** प्रश्न तथा **16** मुद्रित पृष्ठ हैं ।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं. | | | | | | | | | | | | |

9184

BHARATIYA DARSHAN

गूढसंख्या कोड नं. **70/S/O**

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

स्तबकः/सेट **A**

(247)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) .....

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. .....

2. .....

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्या निर्देशा :

1. सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि दत्तोत्तरपुस्तके एव लिखन्तु ।
2. प्रश्नपत्रिका पठितुं **15** निमेशाः दत्ताः । प्रश्नपत्रिका **02.15** मध्यह्ने समये दीयते । **02.15** समयतः **02.30** समयपर्यन्तं प्रश्नपत्रिकामेव छात्राः पठेयुः, एतस्मिन् समये उत्तरपत्रिकायां न किमपि उत्तरं लिखेयुः ।
3. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः ।
4. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा । प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा ।
5. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम् ।
6. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि ।
7. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति ।
8. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **70/S/O,** स्तबक **A** नूनं लेख्या ।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

सामान्य निर्देश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।
2. इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा । **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
3. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।
4. प्रश्न-पत्र की पृष्ठसंख्या एवं प्रथमपृष्ठ में दिये गये प्रश्नों की संख्या और प्रश्नों के क्रम ठीक हैं या नहीं इसका निरीक्षण करें ।
5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्र में लिखना है ।
6. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें ।
7. उत्तर-पत्र में आत्मपरिचय न दें तथा निर्दिष्ट किये गये स्थान में ही अनुक्रमांक (रोल नं.) लिखें ।
8. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं **70/S/O, सेट -** **A** अवश्य लिखें ।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

BHARATIYA DARSHAN

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

(247)

परीक्षासमयावधि : होरात्रयम्] **[पूर्णाङ्का : 100**
परीक्षा का समय : 3 घंटे] **[पूर्णाङ्क : 100**

निर्देशाः (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4** इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति ।

(ii) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः** ।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम अङ्कान् निर्दिशति ।

(iv) **[A]** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः **(MCQs)** येषु प्रत्येकं एकः अङ्कः भवति । एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकं उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु । एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति । एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एव प्रयासः करणीयः ।

(v) **[B]** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम्, इत्यादि । प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति । ते यथानिर्देशं समाधेयाः ।

(vi) **[C]** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति । ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

(vii) **[D]** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति । ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

(viii) **[E]** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाअङ्कात्मकाः सन्ति । ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

(ix) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या ।

(x) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति ।

(xi) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि ।

(xii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा । प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा ।

(xiii) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

निर्देश: (i) इस प्रश्न-पत्र में भाग **[A]** में **20**, भाग **[B]** में **15**, भाग **[C]** में **6**, भाग **[D]** में **6**, भाग **[E]** में **4**, प्रश्नों सहित कुल **51** प्रश्न हैं ।

(ii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।

(iii) प्रश्न के दाहिनी ओर प्रश्न की संख्या एवं अंक (अंक × प्रश्न = पूर्णांक) निर्देशित हैं ।

(iv) भाग **[A]** में प्र.सं. **1** से **20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक के प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखें । इनमें से कुछ प्रश्नों पर एक आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है । ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल एक ही प्रयास करना चाहिए ।

(v) भाग **[B]** में प्र.सं. **21** से **35** तक वस्तुनिष्ठ, मिलान, रिक्तस्थान, सत्य-असत्य आदि प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के दो अंक हैं । इन्हें निर्देशानुसार हल कीजिए ।

(vi) भाग **[C]** में प्र.सं. **36** से **41** तक अतिलघूत्तरीय प्रकार के प्रत्येक दो अंकों के प्रश्न हैं । इन्हें निर्देशानुसार **30** से **50** शब्दों की सीमा में हल कीजिए ।

(vii) भाग **[D]** में प्र.सं. **42** से **47** तक लघूत्तरीय प्रकार के प्रत्येक तीन अंकों के प्रश्न हैं । इनका उत्तर **50** से **80** शब्दों के मध्य देना निर्देशित है ।

(viii) भाग **[E]** में प्र.सं. **48** से **51** तक दीर्घउत्तरीय प्रकार के प्रत्येक पाँच अंकों के प्रश्न हैं । इनका उत्तर **80** से **100** शब्दों के मध्य देना निर्देशित है ।

(ix) अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की गूढ़संख्या (कोड नं) अवश्य लिखें ।

(x) उत्तर-पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी भी स्थान पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी एवं अनुक्रमांक लिखना सर्वथा वर्जित है ।

(xi) सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें ।

(xii) यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र में दी गई कुल पृष्ठों एवं प्रश्नों की संख्या प्रथम पृष्ठ पर दी गई संख्या के समान हैं एवं प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

(xiii) प्रश्न-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[A] अधोलिखितानां विंशतिप्रश्नानां युक्तं विकल्पं चिनुत : **1 × 20 = 20**

अधोलिखित बीस प्रश्नों में समुचित विकल्प का चयन कीजिए :

1. वेदाङ्गानि कति ? **1**

(क) 4 (ख) 5

(ग) 6 (घ) 7

वेदाङ्ग कितने हैं ?

(क) 4 (ख) 5

(ग) 6 (घ) 7

2. महापुराणानि कति ? **1**

(क) 12 (ख) 14

(ग) 16 (घ) 18

महापुराण कितने हैं ?

(क) 12 (ख) 14

(ग) 16 (घ) 18

3. अक्षपाद: क: ? **1**

(क) जैमिनि: (ख) कणाद:

(ग) गौतम: (घ) व्यास:

अक्षपाद कौन हैं ?

(क) जैमिनी (ख) कणाद

(ग) गौतम (घ) व्यास

4. मुण्डकोपनिषत् केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति ? **1**

(क) ऋग्वेदेण (ख) यजुर्वेदेन

(ग) सामवेदेन (घ) अथर्ववेदेन

मुण्डकोपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है ?

(क) ऋग्वेद (ख) यजुर्वेद

(ग) सामवेद (घ) अथर्ववेद

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

5. यज्ञात् किं भवति ? **1**

(क) भूतानि (ख) पर्जन्यः

(ग) अन्नम् (घ) हव्यानि

यज्ञ से क्या होता है ?

(क) भूत (ख) पर्जन्य

(ग) अन्न (घ) हव्य

6. केषां शून्यवादः प्रसिद्धः ? **1**

(क) नैय्यायिकानां (ख) वेदान्तिनां

(ग) बौद्धानां (घ) चार्वाकदर्शनस्य

किनका शून्यवाद प्रसिद्ध है ?

(क) नैय्यायिक (ख) वेदान्ती

(ग) बौद्ध (घ) चार्वाक्

7. बौद्धदर्शने कति आर्यसत्यानि स्वीकृतानि सन्ति ? **1**

(क) 3 (ख) 4

(ग) 5 (घ) 6

बौद्ध दर्शन में कितने आर्य सत्य स्वीकार किए गए हैं ?

(क) 3 (ख) 4

(ग) 5 (घ) 6

8. प्रथमः जैनतीर्थङ्करः कः ? **1**

(क) वर्धमानः (ख) महावीरः

(ग) ऋषभदेवः (घ) मल्लिनाथः

प्रथम जैन तीर्थंकर कौन हैं ?

(क) वर्धमान (ख) महावीर

(ग) ऋषभदेव (घ) मल्लिनाथ

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

9. सांख्यदर्शनस्य प्रणेता कः ? **1**

(क) कपिलः (ख) ईश्वरकृष्णः

(ग) पञ्चशिखः (घ) वाचस्पतिमिश्रः

सांख्यदर्शन के प्रणेता कौन हैं ?

(क) कपिल (ख) ईश्वरकृष्ण

(ग) पञ्चशिख (घ) वाचस्पति मिश्र

10. योगस्य अष्टाङ्गेषु अस्य परिगणनं न भवति – **1**

(क) यमस्य (ख) धारणायाः

(ग) प्रत्याहारस्य (घ) सम्प्रज्ञातस्य

योग के आठ अंगों में किसका परिगणन नहीं होता है ?

(क) यम का (ख) धारणा का

(ग) प्रत्याहार का (घ) सम्प्रज्ञात का

11. द्वैताद्वैतदर्शनस्य प्रवर्त्तकः आचार्यः कः ? **1**

(क) भास्कराचार्यः (ख) निम्बार्काचार्यः

(ग) मध्वाचार्यः (घ) रामानुजाचार्यः

द्वैताद्वैत दर्शन के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं ?

(क) भास्कराचार्य (ख) निम्बार्काचार्य

(ग) मध्वाचार्य (घ) रामानुजाचार्य

12. मायायाः अन्यत् नाम नास्तीदम् : **1**

(क) प्रकृतिः (ख) अव्यक्तम्

(ग) अज्ञानम् (घ) आत्मा

माया का अन्य नाम नहीं है :

(क) प्रकृति (ख) अव्यक्त

(ग) अज्ञान (घ) आत्मा

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

13. रुद्र–सम्प्रदायस्य आचार्य: क: ? **1**

(क) रामानुजाचार्य: (ख) मध्वाचार्य:

(ग) वल्लभाचार्य: (घ) निम्बार्काचार्य:

रुद्र सम्प्रदाय के आचार्य कौन हैं ?

(क) रामानुजाचार्य (ख) मध्वाचार्य

(ग) वल्लभाचार्य (घ) निम्बार्काचार्य

14. अज्ञानस्य वैशिष्ट्यं नास्ति : **1**

(क) ज्ञानविरोधिता (ख) अनादिता

(ग) भावरूपता (घ) निर्वचनीयता

अज्ञान की विशेषता नहीं है :

(क) ज्ञानविरोधिता (ख) अनादिता

(ग) भावरूपता (घ) निर्वचनीयता

15. आवरणशक्ति: कस्य अस्ति ? **1**

(क) मायाया: (ख) जीवस्य

(ग) ब्रह्मण: (घ) कस्यापि न

आवरण शक्ति किसकी है ?

(क) माया की (ख) जीव की

(ग) ब्रह्म की (घ) किसी की भी नहीं

16. वेदान्तमते लिङ्गशरीरे कति अवयवा: सन्ति ? **1**

(क) 15 (ख) 17

(ग) 19 (घ) 21

वेदान्त के अनुसार लिङ्गशरीर में कितने अवयव होते हैं ?

(क) 15 (ख) 17

(ग) 19 (घ) 21

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

17. मनुष्यशरीरं कस्मिन् भेदे अन्तर्गृहीतमस्ति ? **1**

(क) जरायुजे (ख) अण्डजे

(ग) स्वेदजे (घ) उद्भिजे

मनुष्य शरीर किस भेद में अन्तर्गृहीत है ?

(क) जरायुज (ख) अण्डज

(ग) स्वेदज (घ) उद्भिज

18. कर्मयोगस्य प्रत्यक्षं फलं किम् ? **1**

(क) मन: शान्ति: (ख) शरीरस्वास्थ्यम्

(ग) चित्तशुद्धि: (घ) सद्विचार:

कर्मयोग का प्रत्यक्ष फल क्या है ?

(क) मन:शान्ति (ख) शरीरस्वास्थ्य

(ग) चित्तशुद्धि (घ) सद्विचार

19. शमादिषड्कसम्पत्तिषु न परिगण्यते ? **1**

(क) दम: (ख) श्रद्धा

(ग) शान्ति: (घ) उपरति:

शमादिषट्कसम्पत्ति में परिगणित नहीं है :

(क) दम (ख) श्रद्धा

(ग) शान्ति (घ) उपरति

20. मोक्षस्य स्वरूपमस्ति – **1**

(क) नित्यम् (ख) अनित्यम्

(ग) नश्वर: (घ) भ्रम:

मोक्ष का स्वरूप है

(क) नित्य (ख) अनित्य

(ग) नश्वर (घ) भ्रम

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[B] अधोलिखितानां पञ्चदशप्रश्नानाम् उत्तराणि निर्देशानुसारं ददत : **2 × 15 = 30**

अधोलिखित पंद्रह प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

21. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) तरति _____ आत्मवित् ।

(ख) न मुमुक्षुर्न वै _____ इत्येषा परमार्थता ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) तरति _____ आत्मवित् ।

(ख) न मुमुक्षुर्न वै _____ इत्येषा परमार्थता ।

22. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) अध्यारोपापवादाभ्यां _____ प्रपञ्चयते ।

(ख) यथोर्णनाभि: _____ गृह्यते च ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) अध्यारोपापवादाभ्यां _____ प्रपञ्चयते ।

(ख) यथोर्णनाभि: _____ गृह्यते च ।

23. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) गीतासुगीता कर्त्तव्या किमन्यै: _____ ।

(ख) सिद्धसिद्ध्यो: समोभूत्वा _____ योगमुच्यते ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) गीतासुगीता कर्त्तव्या किमन्यै: _____ ।

(ख) सिद्धसिद्ध्यो: समोभूत्वा _____ योगमुच्यते ।

24. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) भूतं भव्यं भविष्यञ्च सर्वं _____ प्रसिद्ध्यति ।

(ख) विरोधे _____ स्यादनुवादोऽवधारिते ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) भूतं भव्यं भविष्यञ्च सर्वं _____ प्रसिद्ध्यति ।

(ख) विरोधे _____ स्यादनुवादोऽवधारिते ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

25. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) अस्तोभमनवद्यञ्च _____ सूत्रविदो विदुः ।

(ख) गीताशास्त्रमिदं _____ यः पठेत् प्रयतः पुमान् ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) अस्तोभमनवद्यञ्च _____ सूत्रविदो विदुः ।

(ख) गीताशास्त्रमिदं _____ यः पठेत् प्रयतः पुमान् ।

26. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) सावयवं परतन्त्रं व्यक्तं विपरीतम् _____ ।

(ख) त्रिगुणमविवेकि विषयः _____ अचेतनं प्रसवधर्मि ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) सावयवं परतन्त्रं व्यक्तं विपरीतम् _____ ।

(ख) त्रिगुणमविवेकि विषयः _____ अचेतनं प्रसवधर्मि ।

27. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) स्थिरं सुखम् _____ ।

(ख) तत्र प्रत्ययैकतानता _____ ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) स्थिरं सुखम् _____ ।

(ख) तत्र प्रत्ययैकतानता _____ ।

28. रिक्तस्थानं पूरतय । **2**

(क) _____ प्रमाकरणं प्रत्यक्षम ।

(ख) अनाप्तैः _____ वाक्यं प्रमाणशब्देन अभिधीयते ।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) _____ प्रमाकरणं प्रत्यक्षम ।

(ख) अनाप्तैः _____ वाक्यं प्रमाणशब्देन अभिधीयते ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

29. अधोलिखितयो: कथनयो: सत्यासत्यं वा चिनुत । **2**

(क) गुरुभिरुपदिष्टेषु वेदान्तवाक्येषु विश्वास: – श्रद्धा ।

(ख) मोक्षस्य साक्षात् साधनं ज्ञानं नास्ति ।

अधोलिखित कथनों में सत्य अथवा असत्य का चयन कीजिए ।

(क) गुरु द्वारा उपदिष्ट वेदान्त वाक्यों पर विश्वास है – श्रद्धा ।

(ख) मोक्ष का साक्षात् साधन ज्ञान नहीं है ।

30. अधोलिखितयो: कथनयो: सत्यासत्यं वा चिनुत । **2**

(क) जैनदर्शनस्य युगप्रवर्त्तका: आचार्या: तीर्थङ्करा: कथ्यन्ते ।

(ख) जैनदर्शने षट्पदार्था: स्वीकृता: सन्ति ।

अधोलिखित कथनों में सत्य अथवा असत्य का चयन कीजिए ।

(क) जैन दर्शन के युग प्रवर्तक आचार्य तीर्थंकर कहलाते हैं ।

(ख) जैन दर्शन में छह पदार्थ स्वीकार किए गए हैं ।

31. अधोलिखितयो: कथनयो: सत्यासत्यं वा चिनुत । **2**

(क) लौकिकं स्वर्गीयसुखं च उभेऽपि नित्ये ।

(ख) वेदान्तमते श्रवणमननिदिध्यासनात् तत्त्वज्ञानं सम्भवति ।

अधोलिखित कथनों में सत्य अथवा असत्य का चयन कीजिए ।

(क) लौकिक और स्वर्गीय सुख दोनों ही नित्य हैं ।

(ख) वेदान्त के अनुसार श्रवण, मनन और निदिध्यासन से तत्त्वज्ञान सम्भव है ।

32. मेलनं कुरुत । **2**

(क) छान्दोग्योपनिषत्	-	१.	शुक्लयजुर्वेद:
(ख) बृहदारण्यकोपनिषत्	-	२.	सामवेद:

युक्तियुक्त मिलान कीजिए ।

(क) छान्दोग्योपनिषत्	-	१.	शुक्लयजुर्वेद
(ख) बृहदारण्यकोपनिषत्	-	२.	सामवेद

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

33. मेलनं कुरुत । **2**

(क)	योगाचार:	-	१.	विज्ञानवाद:
(ख)	माध्यमिक:	-	२.	शून्यवाद:

युक्तियुक्त मिलान कीजिए ।

(क)	योगाचार	-	१.	विज्ञानवाद
(ख)	माध्यमिक	-	२.	शून्यवाद

34. मेलनं कुरुत । **2**

(क)	चित्तवृत्ति:	-	१.	विक्षिप्त:
(ख)	चित्तभूमि:	-	२.	विकल्प:

युक्तियुक्त मिलान कीजिए ।

(क)	चित्तवृत्ति	-	१.	विक्षिप्त
(ख)	चित्तभूमि	-	२.	विकल्प

35. मेलनं कुरुत । **2**

(क)	अविभागाद्वैतम्	-	१.	विज्ञानभिक्षु:
(ख)	अचिन्त्यभेदाभेदम्	-	२.	बलदेव:

युक्तियुक्त मिलान कीजिए ।

(क)	अविभागाद्वैत	-	१.	विज्ञानभिक्षु
(ख)	अचिन्त्यभेदाभेद	-	२.	बलदेव

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

[C] षट्-प्रश्नानां यथानिर्देशं लघूनि उत्तराणि लिखत । **2 × 6 = 12**

छह प्रश्नों के निर्देशानुसार लघूत्तर लिखिए ।

36. उपासना कतिविधा ? काश्च ता: ? **2**

अथवा

कर्म कतिविधम् ? कानि च तानि भेदानि ?

उपासना कितने प्रकार की है ? और वे प्रकार कौन से हैं ?

अथवा

कर्म कितने प्रकार के हैं ? और वे प्रकार कौन से हैं ?

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

37. ज्ञानेन्द्रियाणि कति ? कानि च तानि ? **2**

अथवा

कर्मेन्द्रियाणि कति ? कानि च तानि ?

ज्ञानेन्द्रियाँ कितनी हैं ? और वे कौन सी हैं ?

अथवा

कर्मेन्द्रियाँ कितनी हैं ? और वे कौन सी हैं ?

38. शुद्धाद्वैते कति प्रमाणानि ? कानि च तानि ? **2**

अथवा

चित्तवृत्तय: कति ? काश्च ता: ?

शुद्धाद्वैत में कितने प्रमाण स्वीकृत हैं ? और वे कौन से हैं ?

अथवा

चित्तवृत्तियाँ कितनी हैं ? और वे कौन सी हैं ?

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

39. जैनदर्शने कतिविधं निर्विकल्पकं ज्ञानं ? कानि च तेषां नामानि ? **2**

जैन दर्शन में निर्विकल्पक ज्ञान कितने प्रकार का है ? और उनके नाम क्या हैं ?

40. नारदसनत्कुमारसंवाद: कस्यामुपनिषदि विद्यते ? **2**

नारद-सनत्कुमार संवाद किस उपनिषद् में विद्यमान है ?

41. वेदस्य उपाङ्गानि कति ? कानि च तानि ? **2**

वेद के उपाङ्ग कितने हैं ? और वे कौन से हैं ?

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[D] षट्–प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त । **3 × 6 = 18**

छह प्रश्नों का अनतिदीर्घ उत्तरों में समाधान कीजिए ।

42. निरुक्तस्य वेदाङ्गत्वं विवृणुत । **3**

निरुक्त का वेदांगत्व विवेचित कीजिए ।

43. बौद्धदर्शनमनुसृत्य मोक्षस्वरूपं विवृणुत । **3**

अथवा

बौद्धानाम् आचारविचारं विवृणुत ।

बौद्ध दर्शन के अनुसार मोक्ष का स्वरूप वर्णित कीजिए ।

अथवा

बौद्धों के आचार–विचार का वर्णन कीजिए ।

44. जैनदर्शने अजीवतत्त्वं विवृणुत । **3**

जैन दर्शन में अजीवतत्त्व का वर्णन कीजिए ।

45. सांख्यनये पुरुषबहुत्वं विवृणुत । **3**

सांख्य मत में पुरुषबहुत्व का विवेचन कीजिए ।

46. वेदान्तनये अज्ञानस्य ज्ञानविरोधित्वं विवेचयत । **3**

अथवा

वेदान्तनये आभासवादं विवृणुत ।

वेदान्त मत में अज्ञान की ज्ञानविरोधिता का विवेचन कीजिए ।

अथवा

वेदान्त के अनुसार आभासवाद का विवेचन कीजिए ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

47. वेदान्तनये 'नित्यानित्यवस्तुविवेकं' विवृणुत । **3**

अथवा

वेदान्तनये 'इहामुत्रार्थफलभोगविरागं' विवृणुत ।

वेदान्त के अनुसार 'नित्यानित्यवस्तुविवेक' का विवेचन कीजिए ।

अथवा

वेदान्त के अनुसार 'इहामुत्रार्थफलभोगविराग' का विवेचन कीजिए ।

[E] चत्वार: प्रश्ना: दीर्घोत्तरै: समाधेया: । **5 × 4 = 20**

चार प्रश्नों का दीर्घ उत्तरों से समाधान कीजिए ।

48. योगमतानुसारम् अष्टाङ्गानि विचारयत । **5**

योग के अनुसार अष्टांगों पर विचार कीजिए ।

49. आर्हतदर्शने स्याद्वादं विवृणुत । **5**

अथवा

बौद्धदर्शने शून्यवादं विवृणुत ।

आर्हत दर्शन में स्याद्वाद का विवेचन कीजिए ।

अथवा

बौद्ध दर्शन में शून्यवाद का विवेचन कीजिए ।

50. उपनिषत्परिचयपुरस्सरं तत्प्रतिपाद्यं विवृणुत । **5**

उपनिषद् परिचय के साथ उसके प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए ।

51. भक्तियोगमधिकृत्य निबन्धं रचयत । **5**

अथवा

कर्मयोगमधिकृत्य निबन्धं रचयत ।

भक्तियोग को आधार बनाकर निबन्ध रचना कीजिए ।

अथवा

कर्मयोग को आधार बनाकर निबन्ध रचना कीजिए ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279